# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

## देश की संकल्पना साकार करेगा आत्मनिर्भरता का विकासः कुलपति प्रो. मिश्र

## 'आत्मनिर्भर जबलपुर' पर पांच दिवसीय वर्चुअल राष्ट्रीय परिचर्चा का द्वितीय दिवस

जबलपुर 15 सितम्बर। आत्मनिर्भरता का विकास परिवार, नगर, समाज से होकर ही देश की संकल्पना को साकार करेगा, इस संदर्भ में आत्मनिर्भर जबलपुर बनाने के लिये गुणवत्तायुक्त, प्रशिक्षण युक्त शिक्षा, संस्कारित शिक्षा, स्थानीय उद्योगों का विकास से ही स्वाबलंबन होना संभव होगा। ये विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को विश्वविद्यालय में 'आत्मनिर्भर जबलपुर' पर आयोजित पांच दिवसीय वर्चुअल राष्ट्रीय परिचर्चा के द्वितीय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्मनिर्भर जबलपुर' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय वर्चुअल राष्ट्रीय परिचर्चा द्वितीय दिवस मुख्य अतिथि माननीय पूर्व न्यायमूर्ति श्री एच.पी. सिंह ने मुख्य वक्तव्य में सही नेतृत्व को सामने आकर कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि स्वाबलंबन उपलब्ध संसाधनों में से ही अधिक से अधिक अवसर जुटाने की कार्यक्षमता से ही प्राप्त किया जा सकता है।

### विशिष्ट वक्ताओं ने किया संबोधित–

ऑनलाईन परिचर्चा में विशिष्ट अतिथि श्री आशीष पाठक, सी.ई.ओ., जबलपुर स्मार्ट सिटी, ने कहा कि आत्मनिर्भर जबलपुर शहर की कल्पना को स्मार्ट सिटी से किये जाने के प्रयास सरकार द्वारा किये जा रहे है, जिसमें कोडिंग पाठशाला, इंक्यूबेशन सेंटर, आई.टी. सेक्टर एवं सोसियो इकनॉमिक कंपलीट इंप्लीमेंटेशन के प्रयास किय जो रहे है। विशिष्ट अतिथि श्री एस.एल.कोरी, उद्यमिता विकास केंद्र ने स्थानीयता का विकास करने का मूल मापक मानते हुए कहा कि एम्प्लॉयमेंट जनरेशन के लिये रोजगार गतिविधियों के विकास हेतु मूलभूत आवश्यकता के आधार पर कार्य करने के लिये लोगों को आगे आने आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता श्री इं अर्पित पाण्डेय, आर्किटेक्ट इंजीनियर, अर्पित एण्ड एसोसिएट्स ने पर्यटन एवं खनिज संपदा के क्षेत्रीय उद्योग, के साथ–साथ सिविल क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। वक्ता श्री अनुराग जैन, मैनेजर, गारमेंण्ट एवं फैशन इंडस्ट्रीज ने कपडे उद्योग की जबलपुर शहर के संभावनाओ पर सविस्तार व्याख्या की। वक्ता श्री सोमश गुप्ता, लघु उद्योग भारती, जबलपुर लघु उद्योग की इकाईयो एवं उनकी मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन की प्रक्रिया एवं संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी दी।

**जनमानस का संकल्पित करने का संकल्प–**

स्वागत उद्‌बोधन प्रो. .सुरेंद्र सिंह, निदेशक, विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान प्रस्तुत करते हुए कहा कि कौशल विका संस्थान नवाचारों की श्रंखला में एक यह भी आत्मनिर्भर जबलपुर की संकल्पना को अवश्य ही पूरा करने का प्रयास करने में आज का लघु उद्योग एवं आत्मनिर्भर जबलपुर विषय सारगर्भित होगा। सार उद्‌बोधन देते हुए प्रो .राजेन्द्र कुरारिया, सहसंयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत, जबलपुर ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की प्रधानमंत्री मोदी जी की संकल्पना के तहत आत्मनिर्भर जबलपुर की विभिन्न संभावनाओं को तलाश करने एवं उनको जनसामान्स तक ले जाने हम संकल्पित है एवं लघु उद्योगो के विकास को करने में आज का विषय महत्तवपूर्ण प्रयास साबित होगा। संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजय मिश्रा ने किया। वर्चुअल कार्यक्रम में डॉ राम कुमार रजक, प्रो.रीता भंडारी, प्रो उमा त्रिपाठी एवं प्राध्यापकगण, अतिथिविद्वान एवं छात्र–छात्राऐ उपस्थित रहे। आयोजन में डॉ नीलश पाण्डे, डॉ मीनल दुबे, डॉ मनोज पाण्डे, डॉ रज्जन द्विवेदी, ई. महावीर त्रिपाठी, श्री अमरकांत चौधरी, श्री घनश्याम बर्मन, श्रीमति तनु कुररिया, आदि का सहयोग रहा।

**रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 937 / 15.09.2020**